निरीक्षण आख्या

निरीक्षणकर्ता	–	विजय किरन आनन्द
पदनाम	–	महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश
निरीक्षण स्थल	–	श्रावस्ती
दिनाँक	–	01 एवं 02 मई, 2023

दिनांक 01 एवं 02 मई को राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की टीम के साथ जनपद–श्रावस्ती में प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, कम्पोजिट विद्यालय, माध्यमिक शिक्षा के विद्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में निम्नवत् स्थिति पायी गयीः–

1. कम्पोजिट विद्यालय लाखा, विकासखण्ड–गिलौला, जनपद–श्रावस्ती

विद्यालय का निरीक्षण टीम द्वारा पूर्वाह्न 07:30 बजे किया गया। निरीक्षण के समय Academic Resource Person, श्री राहुल कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

- विद्यालय में कक्षा–कक्ष में ताला बन्द पाया गया। विद्यालय की रसोइया के माध्यम से कक्षा–कक्ष का ताला खुलवाया गया और यह पाया गया कि विद्यालय कई दिनों से नहीं खोला गया है।
- निरीक्षण के समय विद्यालय में कार्यरत 03 शिक्षकों में से एक शिक्षक उपस्थित मिले।

- यह बताया गया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक, श्री अरविन्द कुमार सिंह जनपद बहराइच में रहते हैं और विद्यालय नहीं आते हैं। विद्यालय में कार्यरत शिक्षामित्र श्री वीरेन्द्र कुमार दुबे भी अनुपस्थित पाये गये।
- विद्यालय भ्रमण के उपरान्त ब्लाक संसाधन केन्द्र, विकासखण्ड–गिलौला में टीम द्वारा ब्लाक एम0आई0एस0 कोआर्डिनेटर के माध्यम से प्रधानाध्यापक के अवकाश स्वीकृति के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। यह पाया गया कि मानव सम्पदा पोर्टल पर सम्बन्धित द्वारा अवकाश का आवेदन नहीं किया गया है।
- ब्लाक संसाधन केन्द्र, गिलौला के खण्ड शिक्षा अधिकारी भी अनुपस्थित मिले।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

2. प्राथमिक विद्यालय विशुनापुर–।।, विकासखण्ड–गिलौला, जनपद–श्रावस्ती

विद्यालय का निरीक्षण पूर्वाह्न 09:00 बजे किया गया।

- विद्यालय में कोई भी शिक्षक उपस्थित नहीं मिला। विद्यालय में कुछ छात्र–छात्रायें कक्षा–कक्ष में दिखायी दिये।
- विद्यालय में राज्य स्तर से प्रेषित किये गये प्रिन्टरिच मैटेरियल्स यथा– पोस्टर्स, चार्ट्स, निपुण सूची, निपुण तालिका एवं निपुण लक्ष्य आदि दीवार पर अव्यवस्थित ढंग से अधिक ऊँचाई पर चिपकाये गये हैं, जिसका उपयोग शिक्षकों द्वारा पठन–पाठन के कार्य में नहीं किया जाता है।

- विद्यालय के कार्यरत शिक्षकों के सम्बन्ध में ब्लाक संसाधन केन्द्र, गिलौला पर मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से जानकारी में पाया गया कि श्रीमती संध्या सिंह, प्रभारी प्रधानाध्यापिका–सी0सी0एल0 अवकाश पर हैं तथा श्रीमती प्रीती बाला, शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जो अनुपस्थित मिलीं।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती)

3. प्राथमिक विद्यालय किरवनिया, विकासखण्ड–गिलौला, जनपद–श्रावस्ती

विद्यालय का निरीक्षण पूर्वाह्न लगभग 09:30 बजे तक किया गया।

- विद्यालय के एक ही कक्षा–कक्ष में सभी छात्र–छात्रायें बैठे पाये गये। विद्यालय की छात्र पंजिका के अनुसार कक्षा–1 में 07 में से 03, कक्षा–2 में 21 में से 02, कक्षा–3 में 24 में से 08, कक्षा–4 में 18 में से 12 एवं कक्षा–5 में 17 में से 08 छात्र–छात्रायें भौतिक रूप से उपस्थित पाये गये। इस प्रकार विद्यालय में कुल पंजीकृत 87 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष **भौतिक रूप से मात्र 33 (38%) छात्र–छात्रायें** उपस्थित मिले।

- विद्यालय में गत शैक्षिक सत्र 2022–23 में छात्र–छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं करायी गयीं और न ही वर्तमान शैक्षिक सत्र 2023–24 में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करायी गयीं।
- विद्यालय में उच्च प्राथमिक विद्यालय के उपयोगार्थ उपलब्ध करायी गयी गणित किट packed रखी पायी गयी।
- विद्यालय के कक्षा–कक्षों में फर्नीचर (डेस्क एवं बेंच) की व्यवस्था नहीं पायी गयी।

- समग्र शिक्षा के अन्तर्गत अवमुक्त की गयी कम्पोजिट स्कूल ग्राण्ट की धनराशि का उपयोग किये जाने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गयी।
- विद्यालय में विगत 03 माह से सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भी नहीं किया गया है।
- राज्य स्तर से उपलब्ध करायी गयी निपुण सूची, निपुण तालिका, निपुण लक्ष्य एवं कक्षा 4 और कक्षा 5 की निर्देशिका विद्यालय की अलमारी में बन्द पायी गयी।

- विद्यालय में चहारदीवारी बनवाये जाने के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी।
- विद्यालय में बच्चों के handwash के लिए टैप नहीं लगाया गया, मात्र ईंटों से निर्माण तक ही कराया गया।
- विद्यालय में विद्युत व्यवस्था भी नहीं करायी गयी है।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

4. प्राथमिक विद्यालय नन्दनपुरवा, विकासखण्ड–गिलौला, जनपद–श्रावस्ती

विद्यालय का निरीक्षण पूर्वाह्न लगभग 11:30 बजे किया गया।

- निरीक्षण के समय विद्यालय में कुल 03 शिक्षक उपस्थित पाये गये। छात्र पंजिका के अनुसार कक्षा–1 में 4 में से 2, कक्षा–2 में 24 में से 3, कक्षा–3 में 38 में से 12, कक्षा–4 में 21 में से 3 एवं

कक्षा–5 में 27 में से 11 छात्र–छात्रायें भौतिक रूप से उपस्थित पाये गये। इस प्रकार विद्यालय में कुल पंजीकृत 114 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष **भौतिक रूप से मात्र 31 (27%) छात्र–छात्रायें** उपस्थित मिले।

- विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संदर्शिका एवं निर्देशिका का partially उपयोग किया जाता है।
- विद्यालय में उपलब्ध कराये गये टी0एल0एम0 (गणित किट) जो गत शैक्षिक सत्र में उपलब्ध करायी गयी थी, वह डिब्बे में बन्द रखी मिली।
- विद्यालय में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें अन्य टी0एल0एम0 आदि ब्लाक संसाधन केन्द्र/न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र से प्रधानाध्यापक द्वारा स्वयं लाया गया, जबकि राज्य स्तर से सामग्री विद्यालय में पहुँचाने के निर्देश हैं।

- बच्चों के बैठने के लिए विद्यालय में डेस्क बेंच की व्यवस्था नहीं पायी गयी।
- समग्र शिक्षा के अन्तर्गत उपलब्ध करायी गयी कम्पोजिट स्कूल ग्राण्ट की धनराशि का उपयोग किस मद में किया गया है, इससे संबंधित अभिलेख आदि प्रधानाध्यापक द्वारा नहीं दिखाये गये।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती)

5. प्राथमिक विद्यालय रायमुनिया, विकासखण्ड–गिलौला, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय में चहारदीवारी नहीं बनवायी गयी है।
- विद्यालय में छात्र–छात्राओं के बैठने हेतु फर्नीचर उपलब्ध है, किन्तु उसका उपयोग एवं रख–रखाव नहीं किया जाता है।
- विद्यालय में मात्र 02 शिक्षामित्र ही कार्यरत हैं, जिसमें से एक शिक्षामित्र (श्रीमती शान्ती देवी) अनुपस्थित पायी गयी।

खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय की चहारदीवारी के निर्माण कराने के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं करायी गयी है।

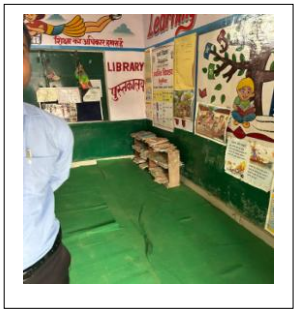

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

6. उच्च प्राथमिक विद्यालय, रनियापुर विकासखण्ड–सिरसिया

- विद्यालय के निरीक्षण में यह पाया गया कि प्रधानाध्यापक को किसी भी योजना के संबंध में कोई जानकारी नहीं है और पूछने पर उनके द्वारा कोई भी उत्तर नहीं दिया गया।
- छात्र–छात्राओं की उपस्थिति न्यून पायी गयी। बच्चों का लर्निंग आउटकम्स भी न्यून पाया गया।
- विद्यालय का स्मार्ट क्लास बन्द मिला और कक्षा–कक्ष में साफ–सफाई का अभाव पाया गया।

- छात्र–छात्रायें विद्यालय में यूनीफार्म में नहीं आये।
- शिक्षक संदर्शिका एवं निर्देशिका का प्रयोग शिक्षकों द्वारा नहीं किया जाता है।
- निपुण तालिका विद्यालय के कक्षा–कक्षों में चस्पा नहीं पायी गयी।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती)

7. प्राथमिक विद्यालय रनियापुर

- विद्यालय में आवश्यक व्यवस्थायें संतोषजनक पायी गयीं।

8. संविलीन विद्यालय सिरसिया

- शिक्षकों द्वारा अध्यापन में ब्लैकबोर्ड का उपयोग नहीं किया जाता है।
- विद्यालय के शिक्षकों द्वारा टी0एल0एम0 का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

ब्लाक संसाधन केन्द्र परिसर में मवेशी घूमते हुए पाये गये।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

9. प्राथमिक विद्यालय संगमपुरवा, विकासखण्ड–जमनुहां, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय में निरीक्षण के समय कुल 02 शिक्षक उपस्थित मिले, जिन्हें निपुण लक्ष्य के बारे कोई जानकारी नहीं थी।
- छात्र पंजिका के अनुसार कक्षा–1 में 12 में से 6, कक्षा–31 में से 24, कक्षा–3 में 16 में से 6, कक्षा–4 में 21 में से 14 एवं कक्षा–5 में 12 में से 6 छात्र–छात्रायें भौतिक रूप से उपस्थित पाये गये। इस प्रकार विद्यालय में कुल पंजीकृत 92 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष **भौतिक रूप से मात्र 56 (61%) छात्र–छात्रायें** उपस्थित पाये गये।
- विद्यालय में छात्र–छात्राओं के बैठने हेतु फर्नीचर नहीं है।

- मध्यान्ह भोजन पकाये जाने के लिए कक्षा–कक्ष का रसोईघर की भाँति प्रयोग किया जा रहा है, जबकि छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन के लिए कक्षा–कक्ष हैं। विद्यालय में विभिन्न अव्यवस्थायें पायी गयीं।
- गुणवत्ता शिक्षा के अन्तर्गत संचालित निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत लक्ष्य हासिल किये जाने के सम्बन्ध में शिक्षकों को बहुत कम जानकारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत निपुण लक्ष्य हासिल किये जाने के लिए विद्यालय के शिक्षकों द्वारा कोई रणनीति नहीं बनायी गयी।
- शैक्षिक सत्र 2022–23 में उपलब्ध कराया गया टी0एल0एम0 का विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उपयोग ही नहीं किया जा रहा है।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

10. कम्पोजिट विद्यालय संगमपुर, विकासखण्ड–जमनुहां, जनपद–श्रावस्ती

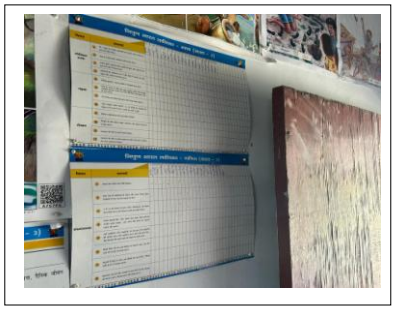

- विद्यालय में कुल 08 कक्षायें संचालित की जा रही हैं किन्तु विद्यालय में मात्र 03 शिक्षक ही कार्यरत हैं, जिसमें से भी एक शिक्षक अनुपस्थित मिले।

- कक्षा 4 व 5 की निर्देशकायें विद्यालय में नहीं पहुंचायी गयी हैं और गत शैक्षिक सत्र में उपलब्ध करायी गयी शिक्षक संदर्शिकाओं का उपयोग शिक्षकों द्वारा नहीं किया गया है।
- विद्यालय में निर्मित शौचालय जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पाया गया।
- छात्र पंजिका के अनुसार कक्षा–1 में 5 में से 4, कक्षा–2 में 34 में से 8, कक्षा–3 में 27 में से 3, कक्षा–4 में 21 में से 5 एवं कक्षा–5 में 21 में से 2 छात्र–छात्रायें उपस्थित पाये गये। इस प्रकार विद्यालय में कुल पंजीकृत 108 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष **भौतिक रूप से मात्र 22 (20%) छात्र–छात्रायें** उपस्थित मिले।

  उक्त के अतिरिक्त कक्षा 6–8 तक नामांकित 97 विद्यार्थियों के सापेक्ष **मात्र 37 (38%) छात्र–छात्रायें** उपस्थिति पाये गये। यह स्थिति विद्यालय के शिक्षकों द्वारा दायित्वों के प्रति निर्वहन न करना और खण्ड शिक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण एवं शासकीय कार्य के प्रति उदासीनता को प्रदर्शित करता है।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

11 कम्पोजिट विद्यालय मौलाना खसियारी, विकासखण्ड–इकौना, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय में निरीक्षण के समय कार्यरत 05 शिक्षकों में से 04 शिक्षक उपस्थित मिले।
- गुणवत्तापरक शिक्षा हेतु टी0एल0एम0 (गणित किट) एवं अन्य प्रिंटरिच मैटेरियल **स्टोर रूम में बन्द** करके रखा पाया गया। शिक्षकों द्वारा संदर्शिका का उपयोग नहीं जाता है। ब्लाक संसाधन केन्द्र से निर्देशिका विद्यालय को उपलब्ध भी नहीं करायी गयी है।
- विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निपुण भारत लक्ष्य के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

- विगत 03 माह में विद्यालय का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भी नहीं किया गया है।

- विद्यालय के प्रधानाध्यापक, श्री ब्रम्ह कुमार मिश्रा को निपुण भारत मिशन के किसी भी गतिविधि की जानकारी नहीं थी और उनके द्वारा ब्लाक संसाधन केन्द्र पर खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा आयोजित बैठकों प्रधानाध्यापकों की बैठकों में प्रतिभाग भी नहीं किया गया है।
- छात्र–छात्राओं को पढ़ाने में टी0एल0एम0 (गणित किट) का उपयोग नहीं किया जाता है। कक्षा–कक्ष में पढ़ाने के लिए भेजे गये ब्लैकबोर्ड भी packed मिले। उक्त से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय में प्रशासनिक एवं अकादमिक दायित्वों का निर्वहन नहीं किया जा रहा है। संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय का निरीक्षण और पर्यवेक्षण तथा संचालित कार्यक्रम/योजनाओं का अनुश्रवण भी नहीं किया गया है।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती एवं शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0, लखनऊ)

12. प्राथमिक विद्यालय खसियारी, विकासखण्ड–इकौना, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय के बच्चे shade के नीचे बैठे मिले। विद्यालय के छात्र–छात्रायें स्थानीय निवासी के मकान के बरामदे में बैठाये जा रहे हैं। इस संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि विद्यालय का भवन अक्टूबर, 2022 की वर्षा ऋतु में ढह गया है। इतना समय व्यतीत होने के उपरान्त भी बच्चों के शिक्षा व्यवस्था हेतु वर्षा ऋतु में ढह गये विद्यालय भवन के पुनर्निर्माण हेतु सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करायी गयी है।
- विद्यालय में छात्र नामांकन के सापेक्ष मात्र 25% उपस्थिति पायी गयी। पुराने विद्यालय भवन के शौचालय एवं रसोई का उपयोग किया जाता है, जो जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है।

- निरीक्षण के समय विद्यालय में कार्यरत 04 में से 03 शिक्षक उपस्थित पाये गये। प्रधानाध्यापक अवकाश पर बताये गये।

विद्यालय की उक्त स्थिति जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी की शासकीय कार्यों के उदासीनता का परिचायक है।

(कार्यवाही– शिक्षा निदेशक(बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

13. प्राथमिक विद्यालय हजारिया, विकासखण्ड–इकौना, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय भवन में बनाये गये शौचालय में दरवाजे नहीं लगाये गये हैं। विद्यार्थियों के उपयोगार्थ शौचालय में पानी की व्यवस्था भी नहीं की गयी है।
- विद्यालय का रसोई घर बन्द पाया गया और दीवार मेनू भी साफ–साफ नहीं लिखा पाया गया।

- कक्षा–कक्ष के सामने ही भोजन पकाया जाता है। विद्यालय में छोटे–छोटे बच्चों के आने–जाने हेतु रास्ता भी नहीं बनाया गया है, जबकि सम्बन्धित विभाग से समन्वय कर बच्चों के विद्यालय आने–जाने के लिए रास्ते की सुविधा करायी जानी चाहिए थी।

(कार्यवाही– शिक्षा निदेशक(बेसिक),उ0प्र0,लखनऊ एवं निदेशक,मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण,लखनऊ)

14. कम्पोजिट विद्यालय मछौवा सुमल, विकासखण्ड–इकौना, जनपद–श्रावस्ती

- विद्यालय की स्थिति निरीक्षित किये गये अन्य विद्यालयों की तुलना में संतोषजनक पायी गयी।
- शिक्षका संदर्शिका एवं गणित किट का उपयोग शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।
- निपुण भारत मिशन के दृष्टिगत अकादमिक गतिविधियों की जानकारी शिक्षकों में परिलक्षित हुई।
- प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय के अन्य 03 शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को निपुण लक्ष्य हासिल करने के लिए रणनीति बनायी जा रही है।
- शिक्षकों द्वारा राज्य स्तर से उपलब्ध कराये गये टी0एल0एम0 का उपयोग किया जाता है।

(कार्यवाही– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती)

15. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय जनपद–श्रावस्ती

- जनपद में संचालित 05 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय हैं, जिनका भ्रमण टीम द्वारा किया गया।
- आवासीय विद्यालय में वार्डेन–कम–शिक्षिका उपस्थित मिले।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गिलौला में भोजन कक्ष की व्यवस्था के संबंध में कार्यवाही किये जाने का अनुमोदन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्तर पर लम्बित बताया गया।

जनपद के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं की शत्–प्रतिशत उपस्थिति नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि अभिभावकों से समन्वय नहीं किया गया है। बालिकाओं की नियमित उपस्थिति के लिए शिक्षकों द्वारा कोई प्रयास भी नहीं किया जा रहा है। शिक्षिका–कम–वार्डेन द्वारा बालिकाओं की शत्–प्रतिशत उपस्थिति हेतु कोई कार्ययोजना भी नहीं बतायी गयी। विद्यालयों में बालिकाओं की शत्–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना अत्यावश्यक है।

- खान एकेडमी और आई0आई0टी0 गाँधीनगर, गुजरात का content उपयोग करना पाया गया परन्तु इसमें प्रत्येक बालिका के लिए प्रयास करना चाहिए न कि कुछ बालिकाओं के लिए। इस सम्बन्ध में उक्त कार्य में बालिकाओं द्वारा बिताये जा रहे औसत समय में वृद्धि की आवश्यकता है।
- आवासीय विद्यालयों में बालिकाओं के भोजन आदि की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी, किन्तु रसोई/मेस को और बेहतर किया जाय और साफ–सफाई का ध्यान रखा जाय।
- बालिकाओं के bedding एवं dormitory में संतोषजनक व्यवस्था दिखायी दी, किन्तु उक्त व्यवस्था का नियमित अनुश्रवण किया जाना की आवश्यक है।
- बालिकाओं का दैनिक उपयोग की सामग्री प्राप्त किया जाना पाया गया परन्तु उनको सामग्री जो उपलब्ध करायी गयी है, वह पूर्ण नहीं मिली, जिसे उपलब्ध कराया जा सकता है। यह गम्भीर बात परिलक्षित हुई।
- कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों के लिए प्रेषित धनराशि का किसी भी विद्यालय में शत्–प्रतिशत उपभोग नहीं मिला। विभिन्न मदों में जो धनराशि दी गयी है, उसका शत्–प्रतिशत उपभोग किया जाना आवश्यक है।

- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का प्रत्येक पाक्षिक सोमवार को वार्डेन और लेखाकार के साथ बैठक किया जाना अति आवश्यक है। उक्त बैठक होना नहीं पाया गया। इसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को चेतावनी दी गई कि उक्त बैठक नियमित रूप से करें।
- बालिकाओं हेतु नियमित खेलकूद कराने की आवश्यकता है। विद्यालयों की वार्डेन–कम–शिक्षिका के नेतृत्व और उनकी क्षमता वृद्धि के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को उन्हें प्रेरित करना चाहिए, जो नहीं किया गया है।
- खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण नहीं किया जाता है। Academic Resource Persons द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भी नहीं कराया जा रहा है।
- विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के सम्बन्ध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कराकर असंतृप्त पैरामीटर्स को संतृप्त कराये जाने के लिए कोई कार्ययोजना नहीं बनायी गयी, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।
- कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय परिसर में उच्चीकरण हेतु धनराशि वर्ष 2018 से अप्रयुक्त है, जिसे न तो जिलाधिकारी के संज्ञान में लाया गया और न ही जनपद के मुख्य विकास अधिकारी के संज्ञान में लाया गया है। इस सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विशेष चेतावनी दी गयी कि इसमें तत्काल कार्यदायी संस्था के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही/एफ0आई0आर0 कराकर आख्या राज्य परियोजना कार्यालय को प्रेषित की जाय।
- शिक्षकों की उपस्थिति शत्–प्रतिशत नहीं पायी गयी, जिसके लिए जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) द्वारा नियमित अनुश्रवण नहीं किया जाना परिलक्षित हुआ। यदि आगामी समीक्षा में ऐसा पुनः पाया गया तो सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

(कार्यवाही– यूनिट प्रभारी, बालिका शिक्षा, समग्र शिक्षा, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ)

माध्यमिक शिक्षा

1. **राजकीय बालिका इण्टर कालेज, भिनगा, जनपद–श्रावस्ती**
2. **राजकीय इण्टर कालेज, गब्बापुर, विकासखण्ड–सिरसिया, जनपद–श्रावस्ती**
3. **राजकीय हाईस्कूल भचकाही विकासखण्ड–सिरसिया, जनपद–श्रावस्ती**

- उपर्युक्त विद्यालयों में से राजकीय बालिका इंटर कालेज एवं राजकीय इंटर कालेज में छात्र नामांकन के सापेक्ष भौतिक उपस्थिति 50 प्रतिशत से भी कम मिली और जो विद्यालय की क्षमता होनी चाहिए जितनी कक्षायें विद्यालयों में उपलब्ध हैं, उसके अनुसार छात्र–छात्राओं न तो नामांकन कराया गया है और न ही कोई प्रयास प्रधानाचार्यों द्वारा किया जा रहा है।
- विद्यालयों शिक्षकों की कमी पायी गयी, इससे स्पष्ट है कि विद्यालयों में चाहे नामांकन में वृद्धि करना हो, शिक्षकों की व्यवस्था/तैनाती हो या छात्र–छात्राओं की विद्यालय में नामांकन के सापेक्ष नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराना हो, इस सम्बन्ध में जो प्रयास होना चाहिए वह कोई भी प्रयास नहीं किया गया। इसके लिए विद्यालयों के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक एवं जिला विद्यालय निरीक्षक की पूरी जिम्मेदारी है। इस सम्बन्ध में तुरन्त सुधारात्मक कार्यवाही की जाय।
- विद्यालय के अधिकांश छात्र–छात्राओं के पास वर्तमान शैक्षिक सत्र की पाठ्यपुस्तकें (एन0सी0ई0आर0टी0) नहीं मिलीं। इस सम्बन्ध में तत्काल आपूर्तिकर्ता से समन्वय कर शिविर लगाते हुए विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- निर्माण कार्यों में राज्य स्तर से निर्देश देने के उपरान्त भी जिला विद्यालय निरीक्षक और विद्यालय के प्रधानाचार्यों द्वारा आवश्यक कार्यवाही नहीं की गयी है। विद्यालय को समग्र शिक्षा के अन्तर्गत उपलब्ध करायी गयी धनराशि का उपयोग संतोषजनक नहीं पाया गया। अव्यवस्था इतनी कि विद्यालय को अवस्थापना सुविधाओं से संतृप्त करने के लिए कोई कार्ययोजना ही नहीं बनायी। गत वर्ष भी estimate बनाकर नहीं प्रेषित किया गया। इस सम्बन्ध में तत्काल प्रोजेक्ट अंलकार के अन्तर्गत 16 पैरामीटर्स के estimate तथा जनपद स्तर पर स्थानीय निधियों के convergence के माध्यम से 10 पैरामीटर्स और समग्र शिक्षा के अन्तर्गत वित्त पोषण के माध्यम से 09 पैरामीटर्स संतृप्त

करने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के नेतृत्व में बैठक आयोजित कर estimate तैयार कराकर कार्ययोजना **दिनांक 15 मई, 2023 तक** राज्य स्तर पर निदेशालय को प्रेषित की जाय, जिससे शासन को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रेषित कराया जा सके।

- Academic Intervention DIKSHA के सम्बन्ध में न तो बच्चों द्वारा बताया गया और न ही शिक्षकों द्वारा बताया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, इस सम्बन्ध में तत्काल सभी विद्यालयों में दीक्षा के सम्बन्ध में जानकारी दी जाय।
- राजकीय हाईस्कूल विद्यालय में छात्र नहीं मिले और 03 शिक्षक मिले। विद्यालय का रास्ता बहुत ही खराब पाया गया। विगत वर्षों से विद्यालय में कोई व्यवस्थायें/सुविधायें नहीं की गयी हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी के संज्ञान में सभी तथ्य प्रस्तुत कर सुधारात्मक कार्यवाही कराना सुनिश्चित किया जाय।
- शिक्षकों द्वारा Chatbot के content का उपयोग छात्र–छात्राओं को नहीं बताया गया है। इस संबंध में विद्यार्थियों से जानकारी साझा की जाय। अभिभावकों को इस ऐप के बारे में अवगत कराया जाय और उन्हें ऐप को डाउनलोड करने हेतु प्रेरित किया जाय। सभी बच्चों को साप्ताहिक रूप से क्विज़ हेतु अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया जाय। कक्षा–कक्ष में ऐप पर उपलब्ध वीडियो लाइब्रेरी के माध्यम से गणित एवं विज्ञान विषयक सम्बन्धित वीडियो का उपयोग किया जाय, जिससे कि बच्चों को अच्छे ढंग से समझाया जा सके। Chatbot के उपयोग से सम्बंधित प्रचार–प्रसार सामग्री को विद्यालय परिसर में लगाया जाय।
- राजकीय एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पढ़ाई की ज़रूरतों को समझने तथा विद्यार्थियों की career counselling के उद्देश्य के दृष्टिगत **पंख पोर्टल** विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी आकांक्षाओं अभिरूचि और रुझान से मेल खाने वाले विभिन्न करियर पथ जैसे इन्जीनिरिंग, वाणिज्य, चिकित्सा, खेल, संगीत, पेंटिग, वाद–विवाद, लेखन, पाठन, स्थानीय सामाजिक गतिविधियां, कालेज, छात्रवृत्ति, कौशल विकास कार्यक्रम, इन्टर्नशिप और शिक्षा के विषय में उपलब्ध विकल्पों के सम्बन्ध में जानकारी ली जा सकती है।

  उपरोक्त निरीक्षित विद्यालयों में कैरियर सेल का गठन नहीं किया गया।
- शैक्षिक पंचांग के अनुसार विद्यालय में पठन–पाठन का कार्य किया जाय। विद्यालय में समय–सारिणी के अनुसार विद्यालय का संचालन सुनिश्चित किया जाय।
- शिक्षकों का प्रशिक्षण नहीं हुआ है, जिसे सुनिश्चित कराया जाय। स्टेट रिसोर्स ग्रुप के माध्यम से शिक्षकों गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के लिए जो निर्देश दिये गये हैं, उसे पूरा कराया जाय। गतिविधि आधारित कक्षा–शिक्षण संचालित कराया जाय, जिससे छात्रों की अधिकाधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित हो सके।
- सभी छात्र–छात्राओं का आधार ऑथेन्टीकेशन कर डी0बी0टी0 के माध्यम से कार्यवाही करायी जाय।

  अगले पड़ाव में शैक्षिक अधिगम को आंगनवाडी केन्द्र से लेकर उच्च शिक्षा तक track करना, उनको नियमित व्यवस्था देना और दोहरा नामांकन एवं अन्य विसंगतियों को दूर करने के लिए universal learner की महत्वाकांक्षी परिकल्पना के अनुसार कार्यवाही पूर्ण की जाय।

  जिला विद्यालय निरीक्षक का नेतृत्व नगण्य पाया गया।

(कार्यवाही– संयुक्त शिक्षा निदेशक, देवीपाटन मंडल एवं शिक्षा निदेशक(माध्यमिक), उ0प्र0, लखनऊ)

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का भ्रमण

जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। उक्त सम्बन्ध में निम्नवत् कार्यवाही कराया जायः–

- कार्यालय में अभिलेखों/पत्रावलियों का समुचित रखरखाव किया जाय और अलमारी में किस पटल से संबंधित अभिलेख रखे गये है, उसका स्पष्ट अंकन किया जाय।

- सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों के सेवानिवृत्तिक लाभ, एरियर आदि के भुगतान संबंधित वित्त के अधिकारी से समन्वय करके समय निस्तारण किया जाय।
- शिक्षकों के एरियर एवं अन्य लाभ के अवशेष देयकों के सम्बन्ध में **''प्रथम आगत प्रथम पावत''** के सिद्धान्त का पालन करने के लिए कोई पंजिका नहीं बनायी गयी है, जो उचित नहीं है। इस सम्बन्ध में कार्यवाही कर सिद्धान्त का पालन किया जाय।
- मानव सम्पदा पोर्टल पर जनपद के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त व संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सेवा विवरण का डाटा फीडिंग का कार्य पूर्ण कराया जाय तथा मिलान कर शत्–प्रतिशत त्रुटिरहित डाटा फीडिंग का समेकित प्रमाण–पत्र निदेशालय को प्रेषित करें।
- शिक्षकों के ऑनलाइन अवकाश आवेदन पत्रों की स्वीकृत समय से की जाय।
- माननीय न्यायालय में योजित वाद के सभी प्रकरणों पर समय से प्रतिशपथ–पत्र दाखिल किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि किसी भी प्रकरण में अवमानना की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।
- मृतक आश्रित नियुक्ति सम्बन्धी प्रकरणों का नियमानुसार समय से निस्तारण किया जाय।
- आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों का तत्काल अनुश्रवण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय में किया जाय।
- कार्यालय में स्वच्छ पेयजल, नियमित साफ–सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायं।
- कार्यालय में लिपिकों/सहायकों की समीक्षा करके आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था की जाय।
- अभिलेखों का नियमानुसार weeding भी करायी जाय।

(कार्यवाही– जिला विद्यालय निरीक्षक एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक, देवीपाटन मण्डल)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, श्रावस्ती

- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मात्र 100 प्रशिक्षुओं का बैच संचालित किया जा रहा है जबकि संस्थान की क्षमता 200 प्रशिक्षुओं का बैच संचालन करने की हो सकती है। इस सम्बन्ध में कोई प्रयास नहीं किया गया, जिसके लिए प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, श्रावस्ती को चेतावनी दी जाती है।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में अवस्थापना सुविधाओं को संतृप्त करने के लिए gap analysis नहीं किया और न ही कोई कार्ययोजना बनायी गयी है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं विद्यालयों में infrastructure, quality education एवं attendance governance हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में विगत 03 वर्षों में प्राप्त धनराशि एवं उसके व्यय का विवरण नहीं दिया गया। उक्त सम्बन्ध में धनराशि के उपभोग का एक भी voucher कई बार कहने के बाद भी नहीं दिखाया गया, जो अत्यन्त गम्भीर बात है। उक्त सम्बन्ध में प्राचार्य द्वारा विगत 03 वर्षों में प्रत्येक मद में कितनी धनराशि का क्या उपयोग किया गया है कि आख्या उसके फोटोग्राफ विवरण के साथ राज्य परियोजना कार्यालय को तत्काल प्रेषित करायी जाय।
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के दैनिक कैलेण्डर के अनुसार कार्ययोजना प्रस्तुत की जाय और उसको सुनिश्चित ढंग से क्रियान्वयन कराया जाय।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आई0सी0टी0 लैब, मैथ्स एवं सांइस का लैब, लाइब्रेरी आदि की व्यवस्था आगामी वर्ष में एस0सी0ई0आर0टी0 के मार्गदर्शन में किया जा सके।

- प्रशिक्षु एवं डायट मेंटर्स का भुगतान शत्–प्रतिशत नहीं किया गया है, जो कि अत्यन्त खेदजनक है। इस सम्बन्ध में प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को चेतावनी देते हुए कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही– प्राचार्य, जि0शि0 एवं प्र0संस्थान, श्रावस्ती एवं निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, लखनऊ)

जनपद की शैक्षिक व्यवस्था का मूल्यांकन एवं अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु निर्देश

- जनपद में विद्यालयों, ब्लाक संसाधन केन्द्र, माध्यमिक विद्यालयों एवं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में अव्यवस्थायें ही पायी गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कड़ी चेतावनी दी गयी है। अधिकारियों को दो माह का समय दिया गया है। तीसरे माह में सशक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। यदि सुधारात्मक कार्यवाही नहीं पायी गयी तो अन्तिम चेतावनी देते हुए सम्बन्धित के विरुद्ध गम्भीर दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रस्तावित किया जायेगा।
- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि निरीक्षण में पायी गयी विसंगतियों को देख लें और इसमें समीक्षा कर लें, इसमें सुधारात्मक कार्यवाही के लिए सुनियोजित ढंग से कार्यवाही करने का प्रयास किया जाय।
- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बहुत ही सराहनीय नेतृत्व देते हुए जनपद स्तर पर कायाकल्प, निपुण भारत एवं अन्य योजनाओं में कार्य किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों द्वारा कई विषय जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किये गये, इसके लिए चेतावनी दी जाती है।

  आगामी बैठक में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपरोक्त रिपोर्ट के आधार पर सभी बिन्दुओं पर समीक्षा करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक आख्या प्रस्तुत करेंगे और जिलाधिकारी से मार्गदर्शन लेते हुए अन्तर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित करायेंगे।

(विजय किरन आनन्द)
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा

पृ0सं0:स0शि0(निरीक्षण)/नियोजन/ 1726 /2023–24 दिनाँकः 11 मई, 2023

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन।
2. राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ।
3. मुख्य विकास अधिकारी, श्रावस्ती।
4. निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तर प्रदेश, निशातगंज, लखनऊ।
5. शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
6. शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. संयुक्त शिक्षा निदेशक, देवीपाटन मण्डल।
8. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, श्रावस्ती।
9. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), देवीपाटन मंडल।
10. यूनिट प्रभारी, बालिका शिक्षा, समग्र शिक्षा, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ।
11. जिला विद्यालय निरीक्षक, श्रावस्ती।
12. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्रावस्ती।
13. गार्ड फाइल।

(विजय किरन आनन्द)
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा